Sansara Ko Sanskrita Ki Dena

संसार को संस्कृत की देन

Document Information

Text title : Sansara Ko Sanskrita Ki Dena

File name : sansArakosanskRRitakIdena.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संसार को संस्कृत की देन

संस्कृत ने ही सबसे पहले जग को ऊँचा ज्ञान दिया है,
इसने ही तो “सोऽहमस्मि” का शुभ सन्देश महान दिया है । ०
“मा भैः” की शिक्षा दे इसने ही हमको निर्भीक बनाया,
नित्य “अदीनाः स्याम” पढ़ाकर हमें दैन्य को दूर भगाया,
“ईशावास्यमिदं” कह सबमें ईश्वर-साक्षात्कार कराती,
यही हमें नर से नारायण बनने का है पाठ पढ़ाती,
हमें “तत्त्वमसि” कह इसने ही महाशक्ति का दान दिया है,
संस्कृत ने ही सबसे पहले जग को ऊँचा ज्ञान दिया है । १
“आचारः प्रथमो धर्मः” का इसने ही आदर्श सिखाया,
इसने ही “भूमैव सुखं” का सबसे पहले तत्त्व बताया,
“देश-जाति का रूप-रंग का भेदभाव मिथ्या है सारा-
एक-एक प्राणी वसुधा का बन्धु और परिवार हमारा”
इस उदात्तता का संस्कृत ने ही नर को वरदान दिया है,
संस्कृत ने ही सबसे पहले जग को ऊँचा ज्ञान दिया है । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sansara Ko Sanskrita Ki Dena
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*